वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 324 | शुक्रवार 22 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

फागोत्सव की शुभकामनाएं

राज्यपाल ने गोविंद देव जी मन्दिर में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल कलराज मिश्र गुरुवार को गोविंद देव जी मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने गोविंद देव की विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की। बाद में राज्यपाल मिश्र परंपरागत चले आ रहे गोविंद देव जी मंदिर के फागोत्सव में भी सम्मिलित हुए। उन्होंने वहां फाग उत्सव पर खेली जा रही फूलों की होली की राधा माधव लीला देखी और कलाकारों की सराहना की। उन्होंने होली के पावन पर्व की शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि रंगो का यह त्योंहार सबके लिए मंगलमय हो। यह सबमें उमंग और उत्साह का वास कराए।

लोकसभा चुनाव–प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं पारदर्शी मतदान के लिए पुलिस की माकूल तैयारियां

आमजन के बीच पारदर्शी तरीके से मतदान को लेकर विश्वास कायम करने के लिए सभी जिलों और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में पुलिस द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़, लाइसेंसी हथियार जमा कराने, अवैध हथियारों एवं मादक पदार्थों की जप्ती के साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में फलैग मार्च भी किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के स्तर से इसकी राउंड द क्लॉक मॉनिटरिंग की जा रही है।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान पुलिस द्वारा प्रदेश के 25 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में आगामी 19 अप्रेल व 26 अप्रेल को दो चरणों में होने वाले चुनावों में स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं पारदर्शी मतदान कराने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे है। आमजन के बीच पारदर्शी तरीके से मतदान को लेकर विश्वास कायम करने के लिए सभी जिलों और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में पुलिस द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़, लाइसेंसी हथियार जमा कराने, अवैध हथियारों एवं मादक पदार्थों की जप्ती के साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में फलैग मार्च भी किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के स्तर से इसकी राउंड द क्लॉक मॉनिटरिंग की जा रही है।

प्रदेश में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 25 कम्पनियां तैनात

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कानून एवं व्यवस्था विशाल बंसल ने बताया कि लोकसभा चुनावों को लेकर पुलिस मुख्यालय द्वारा पिछले दो महीनों से लगातार तैयारी की जा रही है। गत 7 मार्च को राजस्थान पुलिस को सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 25 कंपनी उपलब्ध कराई गई है, इन सभी कम्पनीज को समस्त 25 लोकसभा क्षेत्र में तैनात कर दिया गया है। जो सभी जिलों में स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च कर गरीब और कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के बीच निडरता के साथ अपने मताधिकार के प्रयोग के लिए माहौल तैयार कर रही है। राजस्थान पुलिस की धरातल पर यह एक्सरसाइज सभी वर्गों के बीच यह विश्वास पैदा कर रही है कि राजस्थान में शांतिपूर्ण, भय मुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित किया जाएगा।

आपराधिक तत्वों पर शिकंजा

बंसल ने बताया कि पुलिस मुख्यालय की ओर से योजनाबद्ध कार्यवाही करते हुए प्रदेश के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसे असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उन्हें पाबंद करवाया जा रहा है, जो मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते है। जिलों में पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों पर निरंतर शिकंजा कसा जा रहा है, जिसकी प्रतिदिन रिपोर्ट ली जा रही है। उन्होंने बताया कि जिलों में अवैध हथियार, मादक पदार्थ एवं शराब तस्करों के मूवमेंट पर निगरानी रखकर उनके सभी सम्भावित रुट एवं चैनल्स को चिन्हित कर लिया गया है और जिलों में पुलिस द्वारा उनकी गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई निरंतर जारी है।

विज्ञातीर्थ क्षेत्र की धरा हुई अनेकों साधू-संतों के आशीर्वाद से पावन

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा अनेकानेक साधु संतों के आशीर्वाद एवं चरण कमलों से पवित्रता को वृद्धिंगत कर रही है। इसी क्षेत्र पर अष्टान्हिका महापर्व के व्रतों की साधना को उत्कृष्टता प्रदान कराने वाली पूज्य आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का आज तीसरा उपवास चल रहा है। पर्व के अंतर्गत नन्दीश्वर भक्ति द्वारा भगवान की आराधना की गई। तत्पश्चात अभिषेक, शांतिधारा करके भक्तगण हर्षाए। प्रवचन सभा में उपस्थित भक्तों को भक्ति का महत्व समझाते हुए माताजी ने कहा कि-सही सोच स्वात्म शांति का मूलमंत्र है। सही सोच से ही घर-घर में सामंजस्य, मैत्री स्थापित हो सकती है। सही-सोच विपरीत परिस्थिति में भी समता का सेतु बनता है। सही सोच ही आत्मकल्याण एवं सर्व कल्याण के लिए हितकर हो सकता है। आगामी 22 मार्च 2024 को मुनिश्री अनुसरण सागर जी महाराज ससंघ का पूज्य गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ से भव्य मिलन समारोह होने जा रहा है।

गायक संजय रायजादा व मंजू शर्मा को ''विशिष्ट सेवा सम्मान'' से महंत श्री अंजन जी गोस्वामी ने सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के आराध्य देव ''गोविंद देव जी'' मंदिर प्रांगण में प्रति वर्ष होने वाले ,फागोत्सव 2024 में कार्यक्रम संचालक व गायक संजय रायजादा व मंजू शर्मा को 'विशिष्ट सेवा सम्मान' से महंत श्री अंजन जी गोस्वामी द्वारा सम्मानित किया गया। त्रिदिवसीय फागोत्सव में देश के जाने माने कलाकारों गौरव जैन, दीपशिखा, हरीश गंगानी, शशि सांखला, दीपक माथुर,आलोक भट्ट, समता गोदिका समेत अनेक कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी।

नारी शक्ति भाषण प्रतियोगिता में लोढ़ा प्रथम डांगी द्वितीय रहे

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर महिला मंडल के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मान समारोह में नारी शक्ति पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अजबदेवी लोढा प्रथम रेखा डांगी द्वितीय मधु खमेसरा तृतीय स्थान पर रहे महामंत्री मधु लोढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण के द्वारा की गई भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में अपना संस्थान की सचिव श्रीमती साधना मेलाना व कनक की अध्यक्ष दीपमाला सिसोदिया रही भाषण प्रतियोगिता में 20 बहनों ने भाग लिया सभी बहनों ने अपने विचारों के माध्यम से नारी शक्ति को दर्शाया कि आज नारी बैलगाड़ी से लेकर के वायुयान तक चलाने लगी है।

श्याम भजनों से माहौल में भक्ति रस घुला

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के कावेरी पथ मानसरोवर स्थित गुरु गोविंद सिंह पार्क सेक्टर 1 जोन 11 की सखी सहेली ग्रुप महिलाओं ने बढ़-चढ़कर प्रोग्राम का आयोजन किया। प्रतिवर्ष की तरह सखी सहेली ग्रुप की सदस्य श्रीमती राखी काम्बोज, श्रीमती तनु शर्मा, सविता, निकिता, अनीता, भारती, विनीता, सिंपल, का विशेष योगदान रहा । सेक्टर 1 जोन 11 की कावेरी विकास समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर काम्बोज ने प्रोग्राम के आयोजन का खर्च स्वयं उठाया।

दुर्गापुरा जैन मंदिर में अष्टानिका महापर्व पर पूजन विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर चंद्रप्रभ जी दुर्गापुरा में अष्टान्हिका महापर्व पर नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान की पूजा का आयोजन किया जा रहा है। महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा जैन व मंत्री रानी सोगानी ने बताया कि अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर मंगलवार दिनांक 19 मार्च को नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान की पूजा मधुर स्वर में पंडित रितिक जैन शास्त्री ने बड़े भक्ति भाव से अर्थ बताते हुए करवाई। विधान की पूजा 25 मार्च तक प्रतिदिन होगी।

दि जैन महासीमिती महिला सम्भाग कुचामन ने मनाया फागोत्सव

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासीमिती महिला सम्भाग कि अध्यक्षा उषा झांझरी ने बताया कि जैन समाज कि महिलाओं द्वारा महावीर भवन में फागोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महामंत्री अंशु पहाड़ियां के अनुसार सर्व प्रथम समाज कि विशीष्ट महिलाओं श्रीमती बरखा पाटनी, कल्पना बज, खुशबू पाटनी का, माला तीलक दुपट्टा से स्वागत किया गया । कोषाध्यक्ष मंजु बड़जात्या व युवा प्रकोष्ठ मंत्री रीमा सेठी ने बताया कि फागोत्सव में फाग गीतों का सीलसीला चला जिसमें झिनी झिनी उठर गुलाल ,आयो फागुनीयो,होली खैलर सावरीया, होली खेल रधुवीरा अवध में होली खेल र गीतों की प्रस्तुति दी। मस्ती भरे गीतों के साथ कार्यक्रम में वर्षा ,अनुराधा झांझरी, आकांक्षा पांड्या, मेधा पहाड़ियां ने नृत्य के साथ शानदार प्रस्तुति दी। फागुनी गीत व चंग की धमाल के साथ मनोरंजन से भरपूर प्रतियोगिता कि सभी विजेताओं को ईनाम दिए व सभी महिलाओं को गुलाल केसर लगाकर होली खीलाई गई रेखा , शिल्पा रोषी ,हर्षा पहाड़ियां, बबीता अजमेरा अनिता काला, सन्तोष उषा, सीता, गंगवाल ,अल्का , नयना झांझरी खुशबू ,भावना, मोना,नीलम, रिना बज, उमंग सेठी चन्द्रकला गोधा अन्य बहुत सी महिलाएं उपस्थित रहीं। अल्पाहार के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया अध्यक्षा ने आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

अभ्यास है मन की शक्ति, विश्राम नहीं

भौतिकवादी समाज की कुरीतियों में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि मनोविकार मनुष्य के मन पर अधिकार बनाए हुए हैं और अवसर पाते ही अपना दुष्प्रभाव दिखाने लगते हैं। बड़े से बड़े महात्मा हों या उच्चाधिकारी आत्मसंयम के अभाव में अपनी प्रतिष्ठा खो बैठते हैं। ये मनुष्य जीवन में अनेक बाधाएं डालकर उसे निराशपूर्ण बना देते हैं। इनकी प्रतिद्वंद्विता में आत्मसंयम का सहारा ले लिया जाए तो मनुष्य जीवन की सफलता में संदेह नहीं रहता। इन पर काबू पाना या अपने को वश में करना जगत को जीत लेना है। साधारण मनुष्य की तो बात ही क्या बड़े-बड़े सम्राट भी काम के अधीन हो आत्मसंयम को तिलांजलि दे डालते हैं और मुश्किल में फंस जाते हैं। इतिहास प्रमाण है कि गांधीजी ने क्रोध पर नियंत्रण करके प्रेम और अहिंसा के अस्त्रों द्वारा अंग्रेजी साम्राज्य का अंत किया। बुद्ध ने राजसी वैभव के मोह और लालच को त्यागा तभी वह सत्य की साधना कर सके। जो व्यक्ति इंद्रियों के दास होते हैं वे इंद्रियों की इच्छाशक्ति पर नाचते हैं। संयमहीन पुरुष सदा उत्साह-शून्य, अधीर और अविवेकी होते हैं। इसलिए उन्हें क्षणिक सफलता भले मिल जाए, पर अंततः उन्हें बदनामी और पराजय ही मिलती है। आत्मसंयमी व्यक्तियों में सर्वदा उत्साह, धैर्य और विवेक रहता है जो उनकी सफलता की राह तय करते हैं। मानव की सबसे बड़ी शक्ति मन है इसलिए वह मनुज है। मन की शक्ति अभ्यास है, विश्राम नहीं। इसलिए तो मन मनुष्य को सदा किसी न किसी कर्म में रत रखता है। आत्मसंयम को ही मन की विजय कहा गया है। गीता में मन विजय के दो उपाय बताए गए हैं-अभ्यास और वैराग्य। यदि व्यक्ति प्रतिदिन त्याग या मोह मुक्ति का अभ्यास करता रहे तो उसके जीवन में असीम बल आ सकता है। यह कुछ महीने की देन नहीं होती है, बल्कि एक लंबे समय की जरूरत है। फिर तो दुनिया उसकी मुट्ठी में होगी। एक बार मोह- माया से विरक्त हो जाएं तो वैराग्य मिल जाएगा। भारत में आक्रमणकारी शताब्दियों तक लड़ाई जीत कर भी भारत को अपना नहीं सके, क्योंकि उनके पास नैतिक बल नहीं था। शरीर के बल पर हारा शत्रु बार-बार आक्रमण करने को उद्धत होता है, परंतु मानसिक बल से परास्त शत्रु स्वयं-इच्छा से चरणों में गिर पड़ता है। इसलिए तो हम प्रार्थना करते हैं कि हमको मन की शक्ति देना, मन विजय करें, दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें।

संपादकीय

एमएसएमई क्षेत्र में निर्यात का अवसर

सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रम (एमएसएमई) क्षेत्र में यह संभावना है कि वह निर्यात को बढ़ावा देकर तथा देश की आर्थिक गतिविधियों में योगदान करके देश के विकास के इंजन की भूमिका निभा सके। बहरहाल देश के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी कम हो रही है और यह वित्त वर्ष 20 के 49.77 फीसदी से कम होकर वित्त वर्ष 23 में 42.67 फीसदी रह गई है। नीति आयोग की एक हालिया रिपोर्ट इस संदर्भ में उपायों की

एक शृंखला प्रस्तावित करती है ताकि एमएसएमई के निर्यात में इजाफा किया जा सके। एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कारोबार में सहायता पहुंचाकर उनके राजस्व में विविधता लाई जा सकती है और उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता में इजाफा किया जा सकता है। इसके साथ ही नवाचार और रोजगार बढ़ाने में भी इससे मदद मिल सकती है। रिपोर्ट ऐसे कई क्षेत्रों को चिह्नित करती है जहां एमएसएमई विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा हासिल कर सकते हैं। इनमें हस्तकला, हथकरघे पर बुना कपड़ा, आयुर्वेद और जड़ी बूटियों से बनने वाले पूरक आहार, चमड़े की वस्तुएं, नकली आभूषण और लकड़ी से बनने वाले उत्पाद शामिल हैं। ऐसा इसलिए कि इनमें निर्माण की पारंपरिक तकनीक और कला का इस्तेमाल किया जाता है तथा इनका विरासती मूल्य भी है। वैश्विक स्तर पर इन क्षेत्रों का बाजार 340 अरब डॉलर से अधिक है। हालांकि भारत में श्रमिकों की प्रचुरता है परंतु इसके प्रतिस्पर्धियों मसलन वियतनाम, चीन और बांग्लादेश ने कम कौशल वाले वस्तु निर्यात में अच्छी खासी बढ़त हासिल कर ली है। इस संदर्भ में एमएसएमई की क्षमताओं का इस्तेमाल कम कौशल वाले क्षेत्रों में भारत के निर्यात को बढ़ावा दे सकता है। कम कौशल वाले विनिर्मित उत्पादों के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी महज 5 फीसदी के करीब है। यह दिलचस्प है कि हाल के दिनों में ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस में सफलता भारत के पक्ष में गई है। ऐसा देश और विदेश दोनों स्थानों पर हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने भी अबाध निर्यात को मदद पहुंचाई है और व्यापक बाजार पहुंच में सहायता की है। वर्ष 2021 तक सालाना करीब एक लाख भारतीय निर्यातक इन प्लेटफॉर्मों का इस्तेमाल कर रहे थे। जिससे कुल मिलाकर 5 अरब डॉलर से अधिक का निर्यात राजस्व हासिल हो रहा था। इसके बावजूद एमएसएमई के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद बेचने को लेकर नियामकीय बाधाएं मौजूद हैं। उदाहरण के लिए देश में शुल्क रियायत और निर्यात प्रोत्साहन प्रक्रियाओं में मोटे तौर पर निर्यात के समय माल ढुलाई के कार्गो स्वरूप को पहचाना जाता है। इससे कूरियर से निर्यात करने वाले ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए निर्यात प्रोत्साहन पाना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा बाजार शोध के लिए मंगाए गए नमूने अथवा ई-कॉमर्स में नकारी गई वस्तुएं जो वापस की जाती हैं या ऑनलाइन बिक्री में नहीं बिकने वाली वस्तुओं को दोबारा आयात करने पर आयात शुल्क लगाया जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

निष्पक्षता का तकाजा

आम चुनाव की तारीखों का एलान करने के साथ ही निर्वाचन आयोग ने गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिवों को हटाने का निर्देश जारी कर दिया। इसके अलावा मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के सामान्य विभाग के सचिवों को भी हटाने का आदेश दे दिया। अब इस फैसले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। खासकर पश्चिम बंगाल सरकार इसे लेकर पक्षपात का आरोप लगा रही है। हालांकि चुनाव की तारीखें घोषित होने से पहले ही निर्वाचन आयोग ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वे चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े उन अधिकारियों का तबादला करें, जिन्होंने अपने पद पर तीन वर्ष का समय पूरा कर लिया है या जो अपने गृह जिलों में तैनात हैं। मगर राज्य सरकारों ने उस निर्देश पर अमल नहीं किया था। उत्तर प्रदेश सरकार भी नहीं चाहती थी कि उसके गृह सचिव को हटाया जाए, मगर निर्वाचन आयोग ने उसकी दलील नहीं मानी। छिपी बात नहीं है कि चुनाव में शीर्ष अधिकारियों की बड़ी भूमिका होती है। गृह सचिव राज्यों में और जिलाधिकारी जिलों में निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि होते हैं। इसलिए अगर वे निष्पक्ष नहीं होंगे, तो उन जगहों पर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे ही। इसलिए निर्वाचन आयोग ने छह राज्यों के गृह सचिवों और पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त को हटा दिया। हालांकि यह न तो पहली बार हुआ है और न कानून की नजर में कोई गलत कदम है। जहां भी निर्वाचन आयोग को लगता है कि कोई अधिकारी चुनाव में निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा सकता या निभा रहा, तो वह उसे हटा कर उसकी जगह दूसरे अधिकारी को नियुक्त कर सकता है। राजनीतिक दलों की शिकायतों के मद्देनजर चुनाव प्रक्रिया के दौरान भी कई बार अधिकारियों को बदल दिया जाता है। अभी जिन राज्यों के गृह सचिवों और पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त को हटाया गया, उनके बारे में पहले से राजनीतिक दल शक जाहिर कर रहे थे। उनकी संबंधित राज्य सरकारों के प्रति अधिक निष्ठा देखी जा रही थी। पश्चिम बंगाल के पुलिस आयुक्त तो काफी समय से विवादों में घिरे थे। उनके खिलाफ सीबीआइ ने शिकंजा कसने की कोशिश की थी, तब मुख्यमंत्री खुद धरने पर बैठ गई थीं। ऐसे में भला उन पर कैसे भरोसा किया जा सकता था कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग करेंगे, राज्य सरकार की मर्जी के अनुरूप काम नहीं करेंगे। उनके खिलाफ कांग्रेस ने भी शिकायत दर्ज कराई थी। उत्तर प्रदेश के गृह सचिव को लेकर भी इसी तरह की आशंकाएं जाहिर की जा रही थीं। ऐसे समय में, जब विपक्षी दल मतदान मशीनों में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए आंदोलन पर उतरे हुए हैं, बड़े जन समुदाय में भी चुनाव प्रक्रिया पर संदेह पैदा हो गया है, तब ऐसे अधिकारियों को उनके पद पर बनाए रखना किसी भी रूप में उचित नहीं कहा जा सकता, जिनका आचरण संदिग्ध माना जाता रहा है। मगर केवल इतने भर से चुनाव में निष्पक्षता की गारंटी सुनिश्चित नहीं हो जाती। निर्वाचन आयोग को यह भरोसा कायम करना होगा कि हटाए गए अधिकारियों की जगह जिन्हें नियुक्त किया गया है, वे वास्तव में पक्षपातपूर्ण व्यवहार नहीं करेंगे। जिस तरह की सक्रियता और प्रतिबद्धता वह अभी दिखा रहा है, उसे पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान दिखानी पड़ेगी। आखिर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव निर्वाचन आयोग की साख से जुड़ा विषय है।

शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

विजय गर्ग

आर्टिफिशियल में भारत को पहली एआइ इंटेलिजेंस शिक्षिका मिली है। निश्चित रूप से तकनीकी के क्षेत्र में यह देश की अभूतपूर्व उपलब्धि है। केरल के तिरुअनंतपुरम के एक स्कूल में पेश की गई इस रोबोट शिक्षिका का नाम 'आइरिस' है यह रोबोट शिक्षिका चैटजीपीटी जैसे एआइ प्रोग्रामों से लैस है और इसके पास गणित एवं विज्ञान जैसे विषयों के प्रश्नों का उत्तर देने की क्षमता भी है। तीन भाषाओं में बात कर सकने वाली यह एआइ शिक्षिका साड़ी पहनकर स्कूल पहुंची और उसने बच्चों से हाथ भी मिलाया। शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग का यह अपने आप में एक अनूठा उदाहरण है। यूँ तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता अथवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरूआत 1950 में हुई थी, किंतु इसका तीव्रतर विकास 1970 के बाद आरंभ हुआ। हाल की बात की जाए तो नवंबर 2022 में चैटजीपीटी नामक औपन एआइ चैटबाट के अस्तित्व में आने के बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में निस्संदेह एक क्रांतिकारी प्रादुर्भाव हुआ है। चैटजीपीटी में उच्च स्तरीय एल्गोरिदम एवं प्रोग्रामिंग का प्रयोग करके प्रश्नों के उत्तर देने एवं मानव के उन सभी कार्यों को सहज एवं सरल बनाने का प्रयास किया जाता है, जिनको पूर्ण करने के लिए उसे अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करना पड़ता है। इसी चैटजीपीटी की रोबोट के साथ संयुक्त करके कृत्रिम शिक्षिका को अस्तित्व में लाया गया है। यहां पर एक विचारणीय प्रश्न यह उठता है कि शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम मेधा का प्रयोग कहां तक उचित हैं? कुछ दिनों पहले इंग्लैंड के एक स्कूल ने भी एआइ चैटबाट को प्रिंसिपल हैड टीचर बनाया है एवं विद्यार्थियों को एआइ आधारित पर्सनल असिस्टेंट दिए हैं। शिक्ष के क्षेत्र में कृत्रिम मेधा का समावेश आखिरकार किस सीमा तक उचित है? क्या किसी विद्यालय अथवा महाविद्यालय को पूर्णतया कृत्रिम मेधा से लैस रोबोट शिक्षकों के हवाले किया जा सकता है? ऐसा कदम उठाकर क्या विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर चिंतामुक्त हुआ जा सकता है? इन प्रश्नों पर अगर हम गहन वैचारिक मंथन करें तो हमें इनका उत्तर नकारात्मक ही प्राप्त होगा कारण यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित यह रोबोट शिक्षक महज एक उच्च कोटि की एल्गोरिदम एवं सूचनाओं की उच्च भंडारण क्षमता से युक्त मशीन है। यह प्रश्नों का उत्तर तो कदाचित दे सकती है, किंतु जब बात जिज्ञासाओं एवं रचनात्मकता की होगी तब निश्चित रूप से यह आँधे मुंह गिर पड़ेगी वजह स्पष्ट है कि स्मृति क्षमता एवं तर्कशक्ति मैं जमीन आसमान का अंतर है। एआइ युक्त रोबोट शिक्षक वास्तविक शिक्षक का स्थान कभी नहीं ले सकते, क्योंकि किसी भी विषय पर सोचने समझने एवं तर्क प्रस्तुत करने की क्षमता

फिलहाल उनके पास नहीं है। किसी भी विषय की बेहतर ढंग से समझने के लिए उस पर अपनी विचारशक्ति एवं तर्क क्षमता का प्रयोग करना नितांत आवश्यक होता है। अकड़े यह कहते हैं कि एआइ तकनीक वर्ष 2030 तक 30 करोड़ नौकरियां खत्म कर देगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संबंध में की गई टिप्पणी भी यह कहती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी तकनीकी क्रांति है, जो हमारी उत्पादकता, वैश्विक आय एवं विकास को बढ़ाएगी, किंतु यही तकनीकी क्रांति कई नौकरियां लील सकती है एवं असमानता की खाई की और अधिक बढ़ा सकती है। आखिर इन सभी रिपोर्ट का क्या मतलब है? क्या भविष्य में शिक्षक अपनी नौकरी से हाथ थे बैठेंगे एवं उन्हें प्रतिस्थापित करने बाली निर्जीव मशीनें होंगी? संभवतः ऐसा अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है, क्योंकि मशीन शिक्षकों को कोई तनख्वाह नहीं चाहिए। उन्हें केवल अपने अंदर लगाई गई बैट्री की चार्जिंग की आवश्यकता है। वहीं दूसरी तरफ बजट का एक अच्छा खासा हिस्स शिक्षकों के वेतन पर खर्च होता है। दूसरा बिंदु यह है कि मानव शिक्षकों द्वारा समय-समय पर अपनी विभिन्न मांगों को प्रस्तुत किया जाता है। उनके पूर्ण न होने की दशा में विरोध प्रदर्शन भी किया जाता है, जबकि मशीन शिक्षक कभी किसी तरह की कोई मांग प्रस्तुत नहीं करेंगे, विरोध प्रदर्शन तो बहुत दूर की बात हो गई। कुछ अन्य अंतरों पर गौर करें तो मशीनी शिक्षक विद्यार्थियों को एक ही विषय चाहे जितनी बार पढ़ा सकते हैं, जबकि मानव शिक्षक को एक ही बिंदु अथवा अध्याय की बार- बार पुनरावृत्ति करने के लिए कहने पर उन्हें मानसिक तनाव अथवा झुंझलाहट का अनुभव हो सकता है। इन तर्कों से ती यही प्रतीत होता है कि एआइ आधारित मशीन शिक्षक वास्तविक बुद्धि पर आधारित मानव शिक्षकों से हर मामले में बेहतर साबित होंगे, किंतु यह केवल और केवल कोरी कल्पना है। सत्य यही है कि मानवता का स्थान मशीन ले सकती। हाँ, यदि किसी प्रकार से मशीनों में मानवता एवं भावनाओं का भी समावेश किया जा सके तब उस स्थिति में निस्संदेह हम सब खतरे के दायरे में आ जाएंगे, किंतु ऐसा कर पाना फिलहाल संभव नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि एआइ को शिक्षा के क्षेत्र में किस हद तक दखल देने की अनुमति दी जाए कि वह अपने सकारात्मक पहलुओं का उपयोग करते हुए शिक्षा की प्रगति के उच्चतम स्तर तक ले जाने में सफल हो सके ? तकनीक के सदैव से ही दो पहलू रहे हैं सकारात्मक एवं नकारात्मक अथवा वरदान एवं अभिशप शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें कृत्रिम मेघा के सकारात्मक पहलओं का ही इस्तेमाल करना चाहिए। शिक्षकों को मशीन से प्रतिस्थापित कर देना तो अनुचित है, क्योंकि यह कदम बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्या को बढ़ाने का काम करेगा। इससे देश का विकास पूर्णतय बाधित हो जाएगा। बेहतर रूप मैं ऐसा किया जा सकता है कि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सहायता के लिए एआइ आधारित सहायक उपलब्ध करा दिए जाएं, किंतु यह भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, क्योंकि विद्यार्थियों को एआइ जैसे सुविधा की खुली छूट मिल जाने पर वे जरा से समस्या के हल के लिए एआइ का ही मुंह ताकेंगे। स्वयं कोशिश करके हल ढूंढने एवं रचनात्मक ढंग से कार्यों को अंजाम देने की प्रतिभा धीरे- धीरे उनसे दूर जाने लगेगी। एक दिन ऐसा होग, जब वे किसी भी विषय पर अपना स्वतंत्र सोच एवं तर्क प्रस्तुत कर पाने में असमर्थ हो जाएंगे। इसके लिए विद्यार्थियों की स्वयं अच्छे एवं बुरे की पहचान करते हुए सकारात्मक एवं प्रगति की और ले जाने वाली दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। उन्हें एआइ का प्रयोग केवल आवश्यकता की स्थिति में ही करना चहिए शिक्षकों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमता का सहारा केवल अपने ज्ञानवर्धन एवं विषय की अद्यतन जानकारी के लिए ही लेना चाहिए। अनुप्रयोगों एवं नवाचारों के माध्यम से शिक्षकों को हमेशा यह सिद्ध करते रहना चाहिए कि मशीनें चाहे कितनी ही उन्नत दशा में क्यों न पहुंच जाएं, वे एक जीते जागते शिक्षकों का मुकाबला कदापि नहीं कर सकती।

-विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य
शैक्षिक स्तंभकार मलोट

सिद्ध क्षेत्र शिखर जी चौंसठ रिद्धि धारी महामुनिराजों को किये अर्घ समर्पित

जिज्ञासा समाधान में मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने की घोषणा, आचार्य पदारोहण महामहोत्सव 16 अप्रेल को कुंडलपुर में

मधुवन. शाबाश इंडिया। दिगंबर मानसरोवर के राजहंस आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि के उपरांत नए आचार्य पद का पदारोहण महामहोत्सव 16 अप्रैल को सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में होगा। इस हेतु सभी प्रमुख संतों ने ज्योतिष और सभी बातों पर विचार करते हुए जिज्ञासा समाधान में आज परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने घोषणा करते हुए कहा कि जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण श्री समयसागरजी महाराज जेष्ठ निर्यापकश्रमण श्रीयोगसागर जी महाराज जेष्ठ निर्यापक श्रमण श्री नियम सागर जी महाराज के साथ ही निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर जी महाराज निर्यापक श्रमण मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज निर्यापक श्रमणमुनि श्री संभव सागर जी महाराज निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभय सागर जी महाराज निर्यापक श्रमणमुनि श्री वीर सागर जी महाराज परम पूज्य

मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज सहित संघ के वरिष्ठ साधुओं से विचार करके ये तारीख दी जा रही है । हम सब उन की प्रतिक्षा कर रहे हैं जव ये शुभ घड़ी आये ये बात मधुवन शिखर जी में आज हुकम काका हरसौरा परिवार कोटा दारा सिद्ध चक्र महा मंडल विधान के दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कही। धुर्रा ने कहा कि आज की घोषणा से आने वाले महा महोत्सव की तैयारियां का रास्ता खुल गया ज्ञातव्य है कि आचार्य संघ के सभी मुनि महाराज और आर्यिका संघ विहार करते हुए शीघ्र कुंडलपुर पहुंच रहे हैं वहीं कुंडलपुर में तैयारियां जोरों पर चल रही है। **जगत कल्याण की कामना के लिए सिद्ध चक्र महा मंडल में की शान्ति धारा:** इसके पहले आज तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी में श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा पुण्यर्जक परिवार राजेन्द्र कुमार प्रकाश हुकम काका प्रतीक हरसौरा परिवार कोटा के साथ गोपाल एडवोकेट वावूलाल जैन गांधी नगर प्रतीक हरसौरा चेतन जी लुदिया उदयपुर मनीष नगैदा कैलाश जैन अशोक खादी अनुराग जैन संजय दुगेरिया सहित अन्य भक्तों ने की इसके बाद चौंसठ रिद्धि से संयुक्त अर्घो का समर्पण मंडल पर किया गया भगवान की महा आराधना करते हुए प्रथम अर्घ श्री फल के साथ श्रीमति आशा राजेन्द्र कुमार हरसौरा गोपाल जी एडवोकेट सहित अन्य भक्तों ने समर्पित किए।

आराधना का महोत्सव है अष्टाहानिका महापर्व-मुनि श्री प्रतीकसागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के संत निलय सभागार में ग्रेटर कमला नगर सकल जैन समाज के तत्वावधान एवं क्रांतिवीर मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में लघु आदर्श श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन चल रहा है। जिसमें विधान के चौथे दिन 20 मार्च को भक्तों ने सर्वप्रथम प्रभु का अभिषेक एवं शांतिधारा की। इसके बाद सभी इंद्र इंद्राणियों ने पंडित मोहित जैन शास्त्री ललितपुर वालों के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष 504 अर्घ्य अर्पित कर विधान की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कीं। विधान के अंतर्गत मुनि श्री प्रतीकसागर जी महाराज ने मंगल वाणी को श्रवण करते हुए कहा कि अष्टाहनिका महापर्व आराधना का पर्व है इस अवसर पर आठ दिन शक्ति पूर्वक सिद्धों की आराधना करनी चाहिए लेकिन शक्ति के साथ भक्ति की आवश्यक्ता है, इसीलिए इस अवसर पर श्री सिद्धचक्र विधान का आयोजन करा जाता है। और उन्होंने बताया कि लाखौं रुपये लगा कर अनुष्ठान तो किया जा सकता है परन्तु उसका फल तब ही मिलेगा जब भावो की शुद्धी होगी इस विधान की मुख्य बात यह है कि सभी मुख्य पात्र युवा हैं व धन के स्थान पर नीयमों के आधार पर चुने गये हैं विधान के संयोजक मनोज जैन बाकलीवाल ने बताया कि क्रांतिवीर मुनि श्री प्रतीक सागर जी महाराज के सानिध्य में विधान के तीसरे दिन 21 मार्च को सुबह 8:00 से संत निलय सभागार कमला नगर में आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस विधान में प्रमुख पात्र सौधर्म इंद्र-विकास जैन, सारिका जैन, यज्ञनायक- अनुज जैन (क्रांति) आयुषी जैन,कुबेर इंद्र-विकास जैन,रुचि जैन, राजा श्रीपाल महारानी मैना सुंदरी- नीलेश जैन स्मृति जैन, चक्रवर्ती,विमल जैन,निशी जैन भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर मन्दिर ट्रस्टीगण प्रदीप जैन पीएनसी, जगदीशप्रसाद जैन, शिखरचन्द जैन सिंघई,मनोज जैन बांकलीवाल,दिलीप जैन, अनिल रईस, अनिल जैन FCI, नरेश जैन लुहाडिया, सहित सैंकडों कमलानगर सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

होली मिलन द्वारा दिया प्रेम और भाईचारे का संदेश

महावीर इंटरनेशनल का आओ खेलें फाग 26मार्च को डडूका मे

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा होली मिलन 2024 सुंदरलाल पटेल की अध्यक्षता, मणिलाल सूत्रधार के मुख्य आतिथ्य, ललिता शंकर जोशी, रणजीत सिंह सोलंकी, विष्णुप्रसाद रावल तथा अजीत कोठिया के विशिष्ट आतिथ्य व हिम्मत सिंह सोलंकी की मेजबानी मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र कोठिया ने होली के धार्मिक सांस्कृतिक, पौराणिक महत्व पर चर्चा कर सभी को होली की शुभकामनाएं दी। सहसचिव जनार्दन रॉय नागर एवम मेजबान हिम्मत सिंह सोलंकी ने सभी को तिलक गुलालअबीर लगाकर लगा कर फागोत्सव की शुरूआत की। आयोजन को सम्बोधित करते हुए विष्णु प्रसाद रावल ने ग्रामिणो की सामूहिक होली खेलने का आह्वान किया।

अलीशा जैन बनी नगर निगम ग्रेटर ब्रांड एंबेसडर

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कॉलोनी निवासी अलीशा जैन को नगर निगम ग्रेटर मेयर डॉक्टर सौम्या गुर्जर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन के स्वच्छता अभियान के नगर निगम ग्रेटर का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया। अलीशा जैन पूर्व में मिस राजस्थान ,मिसेज राजस्थान है महिलाओं के विकास, उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत रहती है। अलीशा जैन ने बताया कि जयपुर को स्वच्छ,सुंदर बनाए रखना हम सब की जिम्मेदारी है हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के लिए पूर्णत समर्पित व प्रयास होगा हमारा जयपुर स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उच्च स्थान प्राप्त करके रहेगा ।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा एसडीम एवं पुलिस उप अधीक्षक का किया सम्मान

नोगाम. शाबाश इंडिया

सब की सेवा सबको प्यार महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा एवं महावीर इंटरनेशनल बागीदौरा द्वारा संयुक्त तत्वावधान में आज उपखंड अधिकारी रामचंद्र खटीक एवं पुलिस उप अधीक्षक विनय कुमार चौधरी का महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा एवं बागीदौरा की ओर से नवीन पद ग्रहण करने पर स्वागत अभिनंदन किया गया इस अवसर पर दोनों बधुऔ को महावीर इंटरनेशनल का दुपट्टा उडाकर सम्मान किया गया इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल अपेक्स कार्यालय से प्राप्त महावीर प्रवाह का नवीन अंक प्रदान किया गया इस अवसर पर बांसवाड़ा डूंगरपुर जॉन के सेक्रेटरी विनोद दोसी महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी बागीदौरा शाखा के अध्यक्ष दिलीप दोसी बागीदौरा शाखा के वीर कोषाध्यक्ष सुरेश जैन नोगामा शाखा के सचिव कैलाश पंचोरी धनपाल दोसी संदीप दोसी आदि उपस्थित थे इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों के बारे में सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि संपूर्ण भारत वर्ष में महावीर इंटरनेशनल की शाखाएं सेवा कार्य कर रही है पीड़ित मानवता की सेवा करना हमारा धर्म है एवं निस्वार्थ भाव से पीड़ित मानवता की सेवाऐ की जा रही है अभी वर्तमान में भिषण गर्मी को देखते हुए प्रत्येक गांवो में आसमान में उड़ने वाले प्यासे पक्षियों के लिए परिंडे गांव गांव ढाणी मजरो में वितरण के जाएंगे इस शुभ कार्य में सभी का सहयोग अपेक्षित है अभी वर्तमान में इंटरनेशनल चेयरमैन अनिल जैन का विजन दोस्ती से सेवा पर कार्य कर रहे हैं श्रीमान एसडीएम साहब ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल के इस प्रकार के कार्य सराहनीय है एवं पूर्व में भी में महावीर इंटरनेशनल के सिवाकार्यो से परिचित हूं और महावीर इंटरनेशनल ने कोरोना कल में बहुत सराहनीय कार्य की है हमारी ओर से शाखोंओ को बहुत-बहुत साधु वाद इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक महोदय ने महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों की जानकारी लेकर कहां के आज के इस वर्तमान युग में सभी जीव जंतुओं व मानवता की जो सेवा करने का महावीर इंटरनेशनल ने बीड़ा उठाया है बहुत ही सराहनीय कार्य है सचिव विनोद दोसी ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष पद आईसीसीडुअंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल जैन का विजन है कि पीड़ित मानवता की सेवा करना हमारा धर्म है हम सभी उसी के अनुरूप हम सभी निस्वार्थ रूप से तन मन धन से सेवा कार्य कर रहे हैं।

हमारे पूजनीय **श्री बाबूलाल जी छाबड़ा** पुत्र स्व. श्री गुलाबचंद जी छाबड़ा का आकस्मिक निधन 19.03.2024 को हो गया है। तीये की बैठक 22.03.2024 को सुबह 9:00 बजे जैन भवन, भट्टारकजी की नसियां पर होगी, तत्पश्चात घड़ियों का दस्तूर किया जाएगा। शोकाकुलः- प्रेम देवी (पत्नी), शांतिलाल बोहरा (बहनोई), निशा- अनिल संघी, रिचा- अश्विनी लुहाड़िया, रुचि- अतुल बड़जात्या, रीमा- रोहित बाकीवाला (पुत्री-दामाद), श्रेया- नितिन, अनिशा- अविनाश (दोहिती- दामाद), हर्षित- सुहानी (दोहिता-बहू), स्तुति, साक्षी, अर्णव, प्रणव (दोहिते, दोहेती), ससुरालपक्षः- पदम, सरोज, जिनेन्द्र, सुनील, प्रदीप, दिलीप (साले), संदीप (BLJ), कपिल (भतीजे) चांदवाड, सविता-कमल निगोतिया (साली- साढू), राकेश-कल्पना छाबड़ा (भांजा- बहू)।

सादर श्रद्धांजलि

हमारे पूज्यनीय

श्री बाबूलाल जी छाबड़ा Retd. SBBJ

के स्वर्गवास पर हम सभी भावपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

अनिल-निशा संघी, रिचा-अश्वनि जैन, रूची-अतुल बड़जात्या, रीमा-रोहित बाकीवाला, अनिशा-अविनाश, श्रेया-नितिन, हर्षित-सुहानी, प्रज्ञा, स्तुती, साक्षी, अर्णव, प्रणव, हितार्थ, आरव।

राजगढ़ धाम पर हुई प्रशासनिक बैठक सम्पन्न

तहसीलदार नसीराबाद कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। राजगढ़ स्थित श्री मसाणिया भैरव धाम पर आगामी 09 अप्रैल से 18 अप्रैल 2024 तक चैत्र नवरात्रा मेला महोत्सव राजगढ़ धाम पर बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। 14 अप्रैल को बाबा के विशाल छठ मेले का आयोजन होगा। धाम पर आयोजित होने वाले नवरात्रा महोत्सव को लेकर चम्पालाल महाराज मुख्य उपासक भैरव धाम राजगढ़ के सानिध्य व देवीलाल यादव उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद की अध्यक्षता में प्रशासनिक बैठक हुई जिसमें संबंधित सभी विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

सत्संग से ही विनय की प्राप्ति होती है : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

जालोर। विनय ही धर्म है। बुधवार को आचार्य रघुनाथ स्मृति जैन भवन विशाल धर्मसभा को प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज ने सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन मे सरलता और नम्रता होगी तो मनुष्य परमात्मा को प्राप्त करके अपनी आत्मा का संसार मे कल्याण करवा लेगा। विनम्रता वो गुण है जिससे दुश्मन को मित्र बना सकता है व्यक्ति माया का आश्रय तभी लेता है जब ''वह जैसा है'' उससे अधिक अच्छा दिखाने की कोशिश करता है। सामान्यतया मानव अच्छा बनना नहीं चाहता लेकिन अपने आपको अच्छा दिखाना चाहता है। क्योंकि अच्छा बनने में कष्ट सहना पड़ता है। विनयवान साधक को दिखाने जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि उसकी कथनी और करनी एक समान होती है उसमे अंतर नही होता है जबकि टेढ़े व्यक्ति के जीवन विनम्रता के अभाव के कारण वो झगड़ालू और क्रोधी प्रवृत्ति से किसा भी अच्छा कर पाता है विनयवान व्यक्ति पूज्यनीय और सभी जगह सम्मान प्राप्त करता है। डॉ.वरूण मुनि ने कहा कि व्यक्ति को अभिमानी नही बलि विनम्र भाव रखेगा तभी वह जीवन को सुखमय बना पाएगा। बालयोगी अखिलेश और मुनि डॉ. वरूण मुनि ने दोपहर एकाग्रचित होकर पैसंठिया यंत्र का जाप करवा जिसमे बड़ी संख्या मे भाई और बहनों के साथ श्रीवर्धमान स्थाकनवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष किशोर चौधरी,प्रकाश मोदी महावीर कुमार कोठारी,अशोक चौधरी,हुक्मराज भंडारी, गौतममूथा,धनपत मूथा,हेमन्त पारख,धनपत राज मेहता और महिला मंडल की बहनो की उपस्थिति रही जाप और प्रवचनों मे सम्मिलित होने वाले सभी श्रध्दालूओ को नेमीचंद जेठमल के सुपुत्र गौतमचंद,हुक्मीचंद ललित कुमार छत्तरगोथा परिवार ने प्रभावना दी गई।

तीये की बैठक

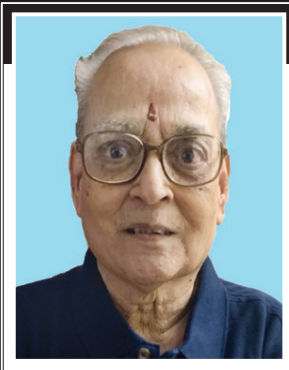

हमारे जीजाजी आदरणीय

श्री बाबूलाल जी छाबड़ा

(स्व. सुपुत्र गुलाब चंद जी छाबड़ा) का निधन बुधवार दिनांक 19.3.2024 को हो गया है। **ससुराल पक्ष की तीये की बैठक** हेतु **शुक्रवार 22 मार्च को सुबह 8.45** पर भट्टारक जी नसियों के बाहर एकत्रित होकर **जैन भवन की मुख्य बैठक में शामिल होंगे।**

शोकाकुल:- पदम, सरोज, जिनेन्द्र, सुनील, प्रदीप, दिलीप, सुधीर, अशोक, आलोक, चक्रेश (साले), संदीप (BLJ), कपिल (भतीजे) समस्त चांदवाड (शास्त्री) परिवार, सविता-कमल जी निगोतिया (बहन-बहनोई), राकेश छाबड़ा (भांजा), प्रमिला-विजय जी, नीलम-पदम जी, पाटोदी रूबी-मनीष जी गोधा, दीपाली-नितिन जी, पाटनी, स्वीटी-गौरव जी छाबड़ा (भतीजी-दामाद)

श्री महावीर जी कमेटी अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने लिया आचार्य श्री सुनील सागर जी से आशीर्वाद

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी के चतुर्थ पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज के पावन दर्शन कर प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष राजस्थान श्रमण संस्कृति बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता समाज सेवी सुधांशु कासलीवाल,20 मार्च को सांयकाल श्री महावीर जी से जयपुर की ओर विहार कर रहे ससंघ आचार्य श्री दौसा से 9 किलोमीटर दूर जयपुर मार्ग पर श्री क्षेत्र गुरु शरणं के निकट विराजमान पूज्य श्री के चरणों मे नमोस्तु निवेदित कर आशीर्वाद लिया। मंदिर जी के मुकेश जैन शास्त्री ने बताया कि कासलीवाल ने आचार्य श्री के श्री महावीर जी प्रवास के अनुभव जाने तो आचार्य श्री ने कहा कि आपकी कमेटी की व्यवस्थायें अनुकरणीय है सभी तीर्थ व मन्दिरो के इसी तरह जिम्मेदारी व सूझबूझ व समर्पित भाव से तीर्थ सेवा करनी चाहिए। प्रसन्न मुद्रा में आचार्य श्री ने कहा कि मैं अपने जीवन मे 47 वर्ष की उम्र में पहली बार टीले वाले बाबा के दर्शन के लिए पहुंच पाया और केवल 2 दिन के लिए गया पर भक्ति में ऐसा मन लगा कि चार दिन संघ सहित रुक गया। पूरे संघ की सभी प्रकार की चर्या के लिए हर प्रकार से अनुकूलता रही कमेटी व कर्मचारियों का समर्पित भाव देख कर मन प्रसन्न हुआ। भक्ति के लिए समय कम पड़ गया मन नही भरा आप जैसे जिम्मेदार व्यक्ति प्रत्येक तीर्थ की कमेटी में होने चाहिये।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी का चांदखेड़ी से हुआ विहार

पूर्व में विराजित विमलप्रभा मति माताजी संघ ने वंदन करते हुए गुरु मां को दी मंगल विदाई

चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया। भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ विगत एक सप्ताह से चंद्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी में विराजित रही। उनके सानिध्य में पूरे सप्ताह तीर्थ क्षेत्र पर कई धार्मिक अनुष्ठान हुए। पूरे नगर मे धार्मिक वातारण का उल्लास छाया हुआ था। गुरुवार की बेला मे माताजी के सानिध्य में अखंड भक्तामर पाठ के बाद भक्तामर विधान संपन्न हुआ एवम्-माताजी की आहारचर्या के पश्चात नंदीश्वर विधान हुआ। नगर के सभी श्रावक इसमें सम्मिलित हुए। गुरुवार को बड़े बाबा के दर्शन कर क्षेत्र पर पूर्व में विराजित आर्यिका 105 श्री विमलप्रभा माताजी ससंघ से मिलन के पश्चात माताजी ने नगर से विहार किया। सभी श्रावको ने नम आखों से माताजी को नगर से विदा किया। विहार मार्ग में सभी ने माताजी का पाद प्रक्षालन किया। माताजी का रात्रि विश्राम कवल्दा गांव में हुआ। शुक्रवार सुबह की आहारचर्या नगोनिया टोल नाके पर एवम्-रात्रि विश्राम विनायक विद्यालय बाघेर में संभावित है।

-प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

शाबाश इंडिया

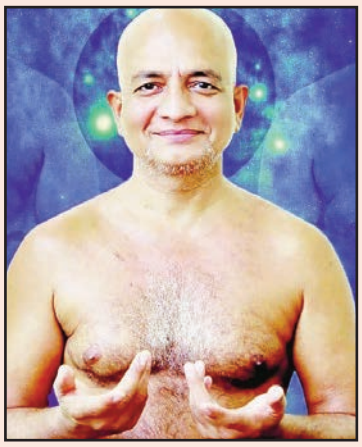

हर कन्ट्री चाहती है कि हम बेहतर बने लेकिन, वो कभी नहीं चाहते कि आप उनसे बेहतर बने..! हमारा देश - दुनिया का सबसे अच्छा देश बन सकता है लेकिन अभी है नहीं। यदि हमने मान लिया कि सबसे अच्छा देश भारत है, तो और अच्छे बनने की सम्भावना खत्म हो जायेगी। यदि बीज सोच ले कि मैं ही वृक्ष हूं, तो बीज कभी वृक्ष नहीं बन पायेगा,, या बूंद सोच ले कि मैं ही सागर हूं, तो बूंद कभी सागर नहीं बन पायेगी। हमने बचपन में सुना था कि भारत सोने की चिड़िया है - हमने बहुत खोज बीन की, हमें भारत कहीं से कहीं तक सोने की चिड़िया नहीं दिखा, ना आज है। आज भारत जितना समृद्ध है, इतना समृद्ध पहले कभी नहीं था। क्योंकि समृद्धि का एक लक्षण होता है - जैसे ही देश समृद्ध होता है, उसकी जन संख्या बढ़नी शुरू हो जाती है। भारत की जन संख्या हजारों साल पहले रूकी हुई थी, जन संख्या बढ़ती नहीं थी, क्योंकि बच्चा पैदा होते और मर जाते थे। दस बच्चे में सात बच्चे मर जाते थे, अमीर के दस बच्चों में एक बच्चा मरता था। देश समृद्ध होगा तो दस बच्चों में हम एक भी बच्चे को मरने नहीं देंगे। आज हमारे बच्चे एकदम से नहीं मरते - हालांकि जीते हैं वो मरे-मरे लेकिन एकदम से नहीं मरते। आज समृद्धि इतनी बढ़ गई कि मर-मर कर जीयेंगे पर एक बार में नहीं मरेंगे, बल्कि दिन में दस-बीस बार मरेंगे। दुर्भाग्य कहो इस देश और सदी का। आज देश - शिक्षा के क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ रहा है, लेकिन संस्कार और सत्संग के क्षेत्र में चारित्रिक पतन तेजी से बढ़ रहा है,, जो आने वाले घर परिवार, समाज और देश के लिए घातक सिद्ध होगा...! **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

जैन बैंकर्स फोरम द्वारा गोद भराई

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैशालीनगर, जयपुर में दिनांक 27/03 से 01/04/24 तक आचार्य सुनील सागर संघ के पावन सानिध्य में आयोजित पंच कल्याणक में जैन बैंकर्स परिवार श्रीमती संतोष जैन एवं अशोक पाटनी पूर्व सहायक महा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक को तीर्थंकर के माता- पिता के रूप में क्रियाएं संपन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा इस प्रक्रिया में पुण्यार्जक परिवार का अभिवादन करने का निश्चय किया गया , इस हेतु वैशालीनगर जैन मंदिर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुरूआत ओमप्रकाश काला, मंत्री दिगंबर जैन मुनि संघ ने पंचकल्याणक के सौधर्म इंद्र इंद्राणी प्रवीण व प्रिया बड़जात्या एवं तीर्थंकर माता पिता अशोक व संतोष पाटनी का तिलक लगाकर स्वागत किया । इन दोनो पात्रों का जैन बैंकर्स फोरम के सदस्यों ने माला, दुपट्टा, शाल, साफा, साड़ी आदि के द्वारा सम्मान प्रकट किया । गोला मिश्री आदि अष्ट मेवों सहित तीर्थंकर की माता संतोष पाटनी की सभी जैन बैंकर्स ने एक साथ मिलकर आनंद की अभिव्यक्ति के साथ गोद भराई का धार्मिक संस्कार पूर्ण किया । तीर्थंकर के पिता बने अशोक पाटनी का फलों की टोकरी से अभिनंदन किया । तीर्थंकर माता ने सभी उपस्थित जन की मेवों एवं फल के साथ झोली भरी । दोनों दंपत्तियों को तीर्थंकर मुनिसुव्रत भगवान की तस्वीर भेट की गई । कार्यक्रम में धनपति कुबेर धनश्री नमन- रिचा जैन, ईशान इंद्र विक्रांत- रेशु जैन सिंघई एवं माहेंद्र विकास - मेनका बडजात्या का भी प्रफुल्लित मन से सत्कार कर बधाई दी ।इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा मन की आवाज के साथ विनतियों का कार्यक्रम जारी रखकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

2 अप्रैल को विश्व जैन ध्वज दिवस और 3 अप्रैल को विश्व जैन प्रभावना दिवस मनाया जाएगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म और जैन समुदाय की प्रभावना को कटिबद्ध पंजीकृत विश्व व्यापी संस्था सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था फेडरेशन की ओर से जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जी के जन्म कल्याणक के अवसर पर आदिनाथ जयंती के पहले दिन विश्व जैन ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन साधर्मी बंधु विश्व जैन ध्वज दिवस पर जैन घरों, संस्थाओं के भवन और प्रतिष्ठान पर जैन ध्वज लगाए । फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश गोधा, महामंत्री धीरज पाटनी और कोषाध्यक्ष संजय काला के अनुसार गत कई वर्षों से सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था के आह्वान पर जैन धर्म आदिनाथजी के जन्म कल्याणक के पहले दिन विश्व जैन ध्वज धर्मावलम्बी अपने जिन मन्दिरों, जैन धर्मशाला, जैन भवन, जैन शिक्षण संस्थानों के विश्व जेन प्रभावना दिवस भवनों पर और अपने-अपने निवास स्थान पर आओ, जैन धर्म का प्रचार करें। भगवान आदिनाथ जी की जयकारे के साथ जैन ध्वज लगाकर विश्व जैन ध्वज दिवस मनाते हैं तथा जैन ध्वज को लगाकर सत्य, अहिंसा और भाईचारे को जीवन में अंगीकार करने की भावना भाते हैं। जन्म कल्याणक के दिन 3 अप्रैल को भगवान आदिनाथ जी की जन्म जयंती के दिन आदिनाथ भगवान के जयकारे के साथ विश्व जैन प्रभावना दिवस मनाते है। सर्वविदित है कि आदिनाथ जी ही जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर है। उन्होंने मानव को असि- मसि- कृषि से अवगत कराया था। उन्होंने मानव कल्याण के साथ जीवन को कर्म प्रधान मानते हुए शालीनता से जीने का संदेश दिया है। इस दिन जैन धर्मावलंबी जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करते हैं। इस दिन विश्व सर्व समाज को यह बताने का प्रयास किया जाता है की जैन धर्म महावीर के समय यानी 2550 वर्ष पूर्व से नहीं है बल्कि भगवान महावीर अंतिम तीर्थंकर है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जी है। जिनका जन्म 84 लाख वर्ष पूर्व का है।

महावीर स्कूल में कवियों ने सजाया रचनाओं का गुलदस्ता

हास्य-व्यंग्य की फुहारों से भीगते व गुदगुदाते रहे लोग

जयपुर. शाबाश इंडिया

हां रे होली आई रे,शकल देख सासु की डर गयो...प्रेम संदेशा हाथ ले ,आंगन खड़ा बसंत..राजनीति की राजकुमारी,सत्ता पा गई दीया कुमारी....जैसी काव्य पखुड़ियों हंसी की ठिठोली व हास्य रंग से भिगोएं रखे महावीर स्कूल प्रांगण को। कुछ ऐसी ही नजारा जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फैडरेशन नॉदर्न रीजन व जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल संयोजित 18 वें हास्य कवि सम्मेलन में देखने को मिला,जहां देश के कई रचनाकारों ने हास्य-व्यंग्य की ऐसी फुहार बिखेरी कि लोग देर तक इन कवियों की गुदगुदाती रचनाओं के रस में भीगते व मुस्कुराते रहे। सम्मेलन में कवियों ने समाज की वर्तमान दशा, आसपास की घटनाओं, राजनीतिक घटनाओं आदि पर व्यंक्य बाण छोड़कर व्यवस्था पर भी तीखे प्रहार किए। मुख्य समन्यवक सुभाष चन्द्र जैन व अध्यक्ष अनिल रांवका ने बताया कि प्रारंभ में दीप प्रज्जवलन मुख्य अतिथि पार्षद पारस जैन-पूजा जैन,विषिष्ठ अतिथि शांति-बीना पाटनी व संजय-बबिता जैन होंगे।जबकि अध्यक्षता श्रेष्ठी सुशील-इन्द्रा बढ़जात्या करेंगे। सम्मानीय अतिथियों में जेएसजीआईएफ के पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन,कमल संचेती,पूर्व सचिव महेन्द्र गिरधरवाल, जेएसजीआईएफ के आईडी मनीष झांझरी व सीएस जैन आदि अतिथियों ने किया। इसके बाद ` मुख्य समन्यवक सुभाष चन्द्र जैन, जेएसजीआईएफ के चौयरमेन महेन्द्र सिंघवी,सचिव सिद्धार्थ जैन,जेएसजी केपिटल के अध्यक्ष अनिल रांवका,सचिच प्रमोद जैन,समन्वयक सुधीर गंगवाल,नरेश रांवका,नवीन जैन,अमर जैन व अन्यजनों ने अतिथियों व कवियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत-सत्कार किया। फिर शुरू हुआ कवि सम्मेलन,जिसमें केकड़ी से आया हास्य सम्राट बुद्धि प्रकाश पारीक ने हाँ रे होली

आई रे, शकल देख सासु की डर गयो,नयो जँवाई रे..जैसी पंक्तियां सुनाकर हास्य रसिकों को खूब ठहाके लगवाएं,वहीं टुंडला,फिरोजाबाद से आए कवि प्रेम संदेशा हाथ ले ,आंगन खड़ा बसंत,शकुंतला हैं बाग में, ठेके पर दुष्यंत...जैसे ही कविता की यह पंक्तियां गुनगुनाना शुरू ही,वहीं प्रांगण में बैठे लोग हंसे बिना ना रह सके। कवि सम्मेलन का परवान चढ़ाया शक्करगढ़ से भीलवाड़ा से आए कवि राजकुमार बादल ने जिन्होंने जिम्मेदार औलादों ने घर को सम्भाल लिया,मजा आ रहा है बाल काले करवानें में,इधर ये लक्ष्मी दिन मे तीन बार बोलती है,लगी रहती है पोते पोतियां खिलाने में...पर जयपुराइट्स अपनी हंसी को रोक ना सके और तालियां बजाकर कवि हौंसला अफजाई की। इसी बीच राजस्थान के प्रतापगढ़ से आए कवि पार्थ नवीन ने राजनीति की राजकुमारी,सत्ता पा गई दीया कुमारी,भारी हार गए राठौड़ी,भाग गई गजेंद्र की घोड़ी,बाबा बालक नाथ निहारे,राजनाथ है नाथ हमारे,दिल सबका ही भरा रह गया,वसुंधरा सब धरा रह गया,राजनाथ जी आए जयपुर तोड़ दिया फर्मा,भज मन भजन लाल शर्मा...जैसी काव्य रचनाओं के माध्यम से व्यंग्य के बाण छोड़ते नजर आए। इधर मंच संचालन कर रहे देवास से आए कविराज शशिकांत यादव ने भी बेहतरीन कविताओं ने हास्यरसिको बांधे रखा। इस अवसर पर दिल्ली से आई श्रंगार रस की कवयत्री पदमनी शर्मा ने भारत की संस्कृति परम पुनीता` बचा लो, करमों की अदालत मे अपनी गीता बचा लो ,मंदिरे तो धूमधाम से बना लिया अब तो , कलयुग के रावणो से अपनी सीता बचा लो ,,,की रचना सुनाकर लोगों को बांधे रखा। देर रात तक चले इस कवि सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध रचनाकार हास्य-व्यंग्य की फुहारों से लोगों को भिगोते व गुदगुदाते रहे। इस दौरान कार्यक्रम के अंत तक रुकने वाले लोगों को जब लक्की ड्रॉ के माध्यम से आकर्षक पुरस्कार मिले तो उन सभी के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर विधायक कालीचरण सराफ, विधायक बालमुकुंदाचार्य, उमराव मल संघी, प्रदीप जैन निखार फैशन, ज्ञान चंद झांझरी, दर्शन जैन, मनीष बैद, विनोद जैन कोटखावदा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गायत्री नगर जयपुर में सिद्ध चक्र महामंडल विधान के 256 अर्घ्य समर्पित

वैशाली नगर में पंचकल्याणक महोत्सव की पत्रिका का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म जयपुर में आयोजित सिद्ध चक्र महामंडल विधान के पांचवें दिन 21 मार्च को नित्य नियम की पूजा व शांति धारा के पश्चात 256 अर्घ्य भक्ति भाव से समर्पित किए गए। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा ने बताया कि विधान के समय वैशाली नगर पंचकल्याणक महोत्सव 27 मार्च से 2 अप्रैल परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में जो हो रहा है उस महोत्सव समिति के पदाधिकारीगण उपस्थित होकर पत्रिका का विमोचन कराया एवं मंदिर प्रबंध समिति गायत्री नगर के पदाधिकारियों को पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में बने तीर्थंकर के माता-पिता अशोक संतोष

पाटनी, सोधर्म इंद्र बने प्रवीण प्रिया बडजात्या कामां वाले, सनत्कुमार इंद्र बने प्रतीक स्वाति जैन सेवा वाले एवं महोत्सव समिति के पदाधिकारी उपस्थित हुए सभी उपस्थित पदाधिकारी व पात्रों का गायत्री नगर प्रबंध समिति के पदाधिकारी कैलाश छाबड़ा, अरुण शाह, राजेश बोहरा, राकेश छाबड़ा, मुकेश सोगानी, संतोष गंगवाल एवं अशोक पापड़ीवाल, सुभाष बज प्रकाश गंगवाल, प्रकाश बाकलीवाल, पदम पांड्या, प्रदीप पाटनी, आदि ने स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर सोधर्म इंद्र बने प्रवीण बडजात्या ने उपस्थित समस्त गायत्री नगर समाज को पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में उपस्थिति हेतु आमंत्रण किया। इस अवसर पर तीर्थंकर की माता की गोद भराई गायत्री नगर जैन समाज की ओर से भी किया गया। युवा परिषद की राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि उपरोक्त सभी मांगलिक क्रियाएं पंडित संजय शास्त्री सांगानेर द्वारा कराई गई ,उन्होंने सिद्ध चक्र विधान में समर्पित 256 अर्घ्य के संबंध में प्रकाश डाला अवगत डाला सांय सामूहिक आरती , पंडित संजय शास्त्री द्वारा श्रावकाचार पर प्रवचन एवं श्रीमती उर्मिला गंगवाल व विमला पापड़ीवाल द्वारा अष्टान्हिका का उपवास करने की अनुमोदना हेतु विनतियों का विनतियों का आयोजन किया गया।

लीनेस क्लब स्वरा का होली रास- रंग आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब स्वरा द्वारा होटल ब्लू प्लूटो में होली धमाल का आयोजन किया गया। क्लब की संस्थापक अध्यक्ष स्वाति जैन और क्लब अध्यक्ष निशा शाह ने बताया कि राधा कृष्ण की रासलीला और फागुन के गीतों की मनोहारी प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया । सलाहकार अंजू जैन और सचिव मानसी गर्ग के अनुसार फूलों की होली ने पूरे माहौल को इंद्रधनुषी रंग दे दिया। कार्यक्रम के संयोजक गोवा फेनिस और महाराष्ट्र आरुणि रहे। होली पर सदस्यों ने एक दूसरे को हास-परिहास से भरे टाइटल्स दिए और होली के गीतों पर जमकर डांस किया। मेजबान ग्रुप के कैप्टैन्स मनीषा शर्मा और मंजू अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कविता कासलीवाल, रूचि शर्मा, भानुप्रिया जैन, मेनका जैन, अर्चना गुप्ता, पूनम सक्सेना और सुनीता जैन मौजूद रहे। वसुधा सारस्वत को होली क्वीन के पुरुस्कार से नवाजा गया।

श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ एवं सहयोगी संस्थाएं जयपुर द्वारा बेबीनार का आयोजन 23 मार्च को

उत्तराधिकार " विषय पर दिनांक 23 मार्च 2024, शनिवार को दोपहर 2.30 बजे सुबोध लॉ कॉलेज–जयपुर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। संघ के अन्तर्गत जैन रत्न प्रोफेशनल फॉरम द्वारा पूर्व में सभी के हितार्थ वेबीनारों का प्रारम्भ किया गया था जो कोरोना के कारण ऑनलाइन की गयी थी। प्रसन्नता का विषय है कि फॉरम की प्रथम ऑफलाइन प्रोग्राम जयपुर में "जैन धर्म- परिग्रह-अपरिग्रह का सम्पत्ति व्यवस्था में प्रयोग, विशेष संदर्भ उत्तराधिकार " विषय पर दिनांक 23 मार्च 2024, शनिवार को दोपहर 2.30 बजे सुबोध लॉ कॉलेज–जयपुर में आयेजित की जा रही है। जिसमें आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। इस अवसर पर उत्तराधिकार एवं जैन दर्शन पर देश के विशिष्ट विशेषज्ञों से इस महत्वपूर्ण विषय की उपयोगिता एवं व्यावहारिकता को जानने, इसका जीवन में लाभ कैसे लेना है को समझने का दुर्लभ अवसर मिलेंगा। आशा है आप इस अवसर का पूरा लाभ उठाये तथा इसमें अपने जीवन साथी के साथ पधारेंगे एवं अपने सभी जैन प्रोफेशनल एवं साथीयो को भी आने की प्रेरणा करेंगे। कार्यक्रम समय से 15 मिनट पूर्व पधार कर अपना स्थान ग्रहण कर कार्यक्रम की शोभा बढाये।

संजीव कोठारी, सचिव
श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ

जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो के दम्पति सदस्यों ने होली धमाल मस्ती में खेली फूलों की होली-रंगारंग कार्यक्रम में झूमें दम्पति

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव एवं समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के तत्वावधान में होली धमाल मस्ती फागोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर दम्पति सदस्यों द्वारा फूलों की होली खेली गई व रंगारंग कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया एवं सचिव आशीष जैन ने बताया कि संस्थापक अध्यक्ष विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा के नेतृत्व में गुलाबगढ रिसोर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम का आगाज णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण एवं अतिथियों द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से किया गया। अतिथि के रूप में युवा समाजसेवी अमित-ऋतु गोधा, नितिन बनेठा, सचिन- कल्पना जैन कामां शामिल हुए। अतिथियो का सम्मान मुख्य संयोजक सुशील-शालू बाकलीवाल,संयोजक दीपक-दीपा गोधा, अम्बिका-सावन सेठी, रेखा-भागचन्द पाटनी, नवनीत-ममता गोधा एवं पवन - निशु जैन ने किया। इस मौके पर होलिया में उडे रे गुलाल...., रंग बरसे भीगे चुनर वाली...., रंग मत डालो रे...., होली खेले रघुवीरा ...जैसे गीतों पर ग्रुप दम्पति सदस्यों ने मनमोहन नृत्य प्रस्तुत किये। महिलाओं ने गुलाबी साड़ी तथा पुरुषों ने सफेद कुर्ता पाजामा पहने हुए फूलों की होली खेली। इस मौके पर कपल गेम्स एवं बच्चों के मनोरंजक गेम खिलाए गए। विजेताओं को ग्रुप की ओर से पुरस्कृत किया गया। संचालन विनोद जैन कोटखावदा, चेतन जैन निमोडिया एवं रेखा पाटनी ने किया। दम्पति सदस्यों ने रिसोर्ट भ्रमण के साथ ऊटं, घोड़ा सवारी,घोड़ा गाडी, ऊटगांडी की सवारी, झूलों का सभी ने आनन्द लिया। अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने स्वागत उदबोधन दिया ।संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने ग्रुप की मानव सेवार्थ गतिविधियां पर प्रकाश डाला। इस मौके पर जैन सोश्यल ग्रुप ग्लौरी के अध्यक्ष पियूष - मोनाली सोनी व सचिव हेमंत जैन भी उपस्थित थे। आभार सचिव आशीष जैन ने व्यक्त किया।

कुण्डलपुर में समारोह स्थल का हुआ भूमि पूजन

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

कुण्डलपुर (दमोह)। सुप्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में आगामी 16 अप्रैल 2024 को आयोजित होने जा रहे आचार्य पद पदारोहण अनुष्ठान महामहोत्सव हेतु समारोह स्थल पर भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर राजेंद्र जैन वास्तु इंदौर ने भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न कराया। पूज्य बड़े बाबा के चरणों में श्रीफल समर्पित कर पूजा अर्चना आज्ञा के पश्चात वास्तु विधान किया गया।

कमिश्नर,डीआईजी सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण: कुण्डलपुर कमेटी के प्रचार मंत्री जयकुमार जलज हटा एवं मीडिया समिति के राजेश रागी बकस्वाहा ने बताया कि कुण्डलपुर में 16 अप्रैल को आयोजित इस महामहोत्सव की विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर सागर कमिश्नर वीरेंद्र रावत , डीआईजी सुनील कुमार जैन, दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी, एसडीएम राकेश मरकाम, एसडीओपी, लोक निर्माण अधिकारी , तहसीलदार मोहित जैन , थाना प्रभारी अमित मिश्रा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण कुंडलपुर पहुंचे और कुण्डलपुर कार्यालय में महामहोत्सव के संबंध में कमेटी के पदाधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेकर विचार विमर्श किया , कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में आश्वस्त किया और पूज्य बड़े बाबा के दर्शन किए, श्री फल अर्पित किया , आरती की। इस अवसर पर कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य के सामाजिक कार्यकर्ता जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।